

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान में 'प्रोजेक्ट काराकल' का शुभारंभ
2.	'राजस्थान राजमार्ग आधुनिकीकरण परियोजना' को वित्तीय सहायता
3.	राजस्थान शामलात अधिवेशन - 2026 : जयपुर
4.	'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' : जयपुर
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. मनुश्री सक्सेना 2. IAS शंकरलाल कुमावत 3. ADB की 'एनवायरमेंटल एण्ड सोशल फ्रेमवर्क ओरिएंटेशन कार्यशाला' : जयपुर 4. जोधपुर का 'म्हारो खेत' TIME मैगजीन में शामिल 5. वित्तीय सेवाएँ विभाग द्वारा उदयपुर में राजभाषा सेमिनार का आयोजन
6.	भारत में फसलों के त्योहार
7.	लोकसभा की संरचना: संविधान संशोधन विधेयक का प्रस्ताव
8.	खनिज बिदेश इंडिया लिमिटेड (KABIL)
9.	ब्रिक्स और क्वाड समूह
10.	क्वांटम कंप्यूटिंग
11.	UNDP की रिपोर्ट: भारत पर पश्चिम एशिया संघर्ष के आर्थिक प्रभाव
12.	अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) की रिपोर्ट

राजस्थान परिदृश्य

राजस्थान में 'प्रोजेक्ट काराकल' का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान वन विभाग द्वारा राज्य में 'प्रोजेक्ट काराकल' का आधिकारिक शुभारंभ किया गया।



मुख्य बिन्दु:

- स्थल :** इस प्रोजेक्ट का शुभारंभ सवाई माधोपुर स्थित रणथम्भौर टाइगर रिज़र्व से किया गया।
- प्रोजेक्ट का संचालन :** राजस्थान वन विभाग द्वारा भारतीय वन्यजीव संस्थान, SACON एवं टाइगर वॉच के सहयोग से।
- 'प्रोजेक्ट काराकल' का उद्देश्य :** काराकल की आबादी का मानचित्रण करना, निगरानी को बेहतर बनाना और संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना।

--2--

- **परियोजना का नेतृत्व :** डॉ. शोमिता मुखर्जी द्वारा प्रधान अन्वेषक के रूप में। डॉ. अयान साधु एवं डॉ. धर्मेन्द्र खंडाल सह-प्रधान अन्वेषक के रूप में।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स (काराकल):

- काराकल एक मध्यम आकार की जंगली बिल्ली है, जो अपने लंबे काले कानों और उड़ते हुए पक्षियों को पकड़ने के लिए 3 मीटर से भी ऊँची छलांग लगाने के लिए जानी जाती है।
- **वैज्ञानिक नाम :** काराकल काराकल।
- **स्थानीय नाम :** भारत में इसे 'स्याहगोश (Black Ear Cat)' के नाम से जाना जाता है।
- **आवास :** अर्ध-शुष्क झाड़ियों वाले इलाकों, सवाना घास के मैदानों, सूखे जंगलों और बीहड़ों में।
- **भारत में वितरण :** मुख्य रूप से राजस्थान और गुजरात में।
- **राजस्थान में :** मुख्य रूप से यह रणथंभौर टाइगर रिज़र्व और मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिज़र्व में पाई जाती है।
- भारत के अलावा स्याहगोश अफ्रीका, मध्य-पूर्व, मध्य और दक्षिण एशिया के कई देशों में पाई जाती है।

संरक्षण स्थिति :

- **IUCN रेड लिस्ट :** लीस्ट कंसर्न (सबसे कम चिंताजनक श्रेणी)।
- **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 :** अनुसूची - I में शामिल।
- **नोट :** वर्ष 2021 में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (NBWL) और केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 'प्रजाति पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम' के तहत काराकल को 'गंभीर रूप से संकटग्रस्त' (Critically Endangered) प्रजातियों की सूची में शामिल किया।

'राजस्थान राजमार्ग आधुनिकीकरण परियोजना' को वित्तीय सहायता

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, विश्व बैंक के बोर्ड ऑफ एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर्स ने राजस्थान में राज्य राजमार्गों की दक्षता, मजबूती और सुरक्षा सुधार के लिए \$225 मिलियन (लगभग 2,000 करोड़ रुपये) से अधिक की 'राजस्थान राजमार्ग आधुनिकीकरण परियोजना' को स्वीकृति प्रदान की।



मुख्य बिन्दु:

- ऋण राशि** : इंटरनेशनल बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन एण्ड डेवलपमेंट (IBRD) से 225 मिलियन डॉलर का ऋण।
- परिपक्वता** : ऋण की अंतिम परिपक्वता अवधि 35 वर्ष है। जिसमें स्टेप-अप लोन की सुविधा तथा 5 वर्ष की अनुग्रह अवधि (Grace Period) भी शामिल है।
- इस स्वीकृत प्रोजेक्ट से भारत में पहली बार स्टेप-अप लोन की शुरुआत होगी।

--:4::--

- **स्टेप-अप लोन सुविधा** : स्टेप-अप लोन एक ऐसी पुनर्भुगतान सुविधा है, जिसमें शुरुआती मासिक किस्तें (EMI) कम होती हैं और समय के साथ आय बढ़ने पर EMI की राशि धीरे-धीरे बढ़ती है।
- इस परियोजना के माध्यम से राज्य में लगभग 800 किलोमीटर के चयनित राजमार्गों का उन्नयन और रखरखाव किया जाएगा। साथ ही, यह परियोजना राजस्थान राज्य राजमार्ग प्राधिकरण को आधुनिक और सेवा केन्द्रित बनाने में मददगार साबित होगी।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स (राजस्थान में बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाएँ):

- 12वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार, 1 अप्रैल, 2005 अथवा उसके पश्चात स्वीकृत नवीन परियोजनाओं के लिए भारत सरकार द्वारा राज्य को 'बैंक-टू-बैंक' आधार पर बाह्य वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस व्यवस्था के अंतर्गत राज्य को वही परिपक्वता अवधि, स्थगन अवधि तथा परिशोधन अनुसूची प्राप्त होती है, जो भारत को बाह्य ऋणदाताओं से प्राप्त होती है।
- **वर्तमान में राजस्थान में कुल 14 परियोजनाएँ क्रियान्वित की जा रही हैं:-**

क्रमांक	योजना	संस्था	विवरण
1.	राजस्थान शहरी क्षेत्र विकास कार्यक्रम RUIDP (चरण-III) 3853 करोड़ (सर्वाधिक व्यय) (4017.56 करोड़ लागत)	ADB (Asian Development Bank)	टोंक, गंगानगर, झुंझुनू, पाली, भीलवाड़ा में जलापूर्ति और सीवरेज कार्य। कुल 12 शहरों में कार्य प्रगति पर है।

Daily Current Affairs

Date : 16 April, 2026



2.	राजस्थान मध्यम नगरीय क्षेत्र विकास परियोजना (चरण- IV) ट्रांच- I	ADB	14 शहरों में जलापूर्ति और सीवरेज कार्य। परियोजना अवधि:- जनवरी, 2020 से नवंबर, 2028 तक 12 अन्य शहरों में सीवरेज, कीचड़ और सेप्टेज प्रबंधन।
3.	राजस्थान मध्यम नगरीय क्षेत्र विकास परियोजना, (चरण- IV) ट्रांच- II	ADB	इस परियोजना के तहत 16 शहरों में बुनियादी ढांचे पर काम किया जा रहा है।
4.	राजस्थान राज्य राजमार्ग निवेश परियोजना, ट्रांच- II	ADB	मार्च, 2025 (पूर्ण)
5.	राजस्थान राज्य राजमार्ग निवेश परियोजना, ट्रांच- III	ADB	-
6.	राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना चरण-2	AFD (Agence Française de Développement)	13 जिलों (पूर्वी राजस्थान) में प्राकृतिक वनों का सुदृढ़ीकरण, विकास और संरक्षण का उपयोग कर सकते हैं।

--6--

Daily Current Affairs

Date : 16 April, 2026



7.	राजस्थान जलापूर्ति निराकरण (चरण-2)	ग्रामीण फ्लोरोसिस परियोजना	JICA (Japan International Cooperation Agency)	झुंझुनू और बाड़मेर जिलों में जल उपचार संयंत्रों और जलापूर्ति सुविधाओं का निर्माण।
8.	राजस्थान आजीविका परियोजना	जल क्षेत्र सुधार	JICA	राजस्थान के 30 जिलों में 137 सिंचाई परियोजनाओं का पुनर्वास और बहाली।
9.	मरू क्षेत्रों के लिए राज. जल क्षेत्र पुनर्संरचना परियोजना (ट्रांच-1 & II)		NDB (New Development Bank)	70% NDB एवं 30% राज्य द्वारा वित्त पोषित लाभान्वित जिले (10) :- श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, नागौर, बीकानेर, झुंझुनू, सीकर, जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर।
10.	बाँध पुनर्वास और सुधार परियोजना-द्वितीय		WB + AIIB	WB + AIIB - 70%, राज. सरकार - 30%

--7--

Daily Current Affairs

Date : 16 April, 2026



11.	राजस्थान राज्य राजमार्ग विकास कार्यक्रम - द्वितीय (ट्रांच-1)	WB	वित्तीय साझेदारी: (दिसंबर 2025 - पूर्ण) विश्व बैंक - 1779 करोड़ रुपये राज्य सरकार - 893 करोड़ रुपये निजी क्षेत्र- 323 करोड़ रुपये
12.	राजस्थान में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन के सुदृढीकरण की परियोजना	WB	वित्तपोषण - विश्व बैंक + राज्य सरकार परियोजना अवधि - जुलाई, 2018 से जून, 2025 (पूर्ण)
13.	राज. में ट्रांसमिशन सिस्टम हरित ऊर्जा गलियारा परियोजना-II	KFW जर्मनी	47% KFW ऋण, 33% केंद्रीय अनुदान, 20% राज्य की हिस्सेदारी
14.	राजस्थान जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया और पारिस्थितिकी तंत्र सेवा संवर्धन	JICA	राजस्थान के 19 जिलों में सतत् पारिस्थितिक प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देना।

--8--



राजस्थान शामलात अधिवेशन - 2026 : जयपुर

चर्चा में क्यों?

- 15 - 16 अप्रैल, 2026 को इंदिरा गाँधी पंचायती राज संस्थान (IGPRS), जयपुर में 'राजस्थान शामलात अधिवेशन - 2026' का आयोजन किया गया।



मुख्य बिन्दु:

- अधिवेशन का विषय : साझा संसाधनों से अपनी समृद्धि को आकार देना (Shaping our Prosperity with Commons)
- उद्देश्य : राजस्थान में साझा संसाधनों (चारागाह, जल स्रोत, वन, वेटलैंड्स आदि) का संरक्षण और बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना।
- मुख्य आयोजक : फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी (FES), अंतरराष्ट्रीय चारागाह और पशुपालक वर्ष (IYRP) - 2026 पंचायती राज विभाग, कृषि विभाग राजस्थान सरकार।

--:9:--

Daily Current Affairs

Date : 16 April, 2026



- **शामलात** : शामलात भूमि राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में गाँव की साझा भूमि को संदर्भित करता है, जिसे चराई, पगडंडियों या तालाबों जैसे सामुदायिक उपयोग के लिए निर्धारित किया जाता है। ग्राम पंचायत द्वारा प्रबंधित यह भूमि सामूहिक रूप से स्वामित्व में होती है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **गौ माता आश्रय स्थल** : राजस्थान सरकार ने निराश्रित गौवंश के लिए 457 पंचायत समितियों की एक-एक ग्राम पंचायत में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय चारागाह विकास आधारित गौ माता आश्रय स्थल' स्थापित किए जाने की घोषणा की।
- **प्रदेश में 150 बीज बैंक** : गोचर एवं ओरण भूमि के विकास तथा देशी वृक्षों, चारे व घास को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान सरकार ने वर्ष 2024-25 के बजट में 150 वानस्पतिक बीज बैंक स्थापित करने की घोषणा की।

--:10:--

'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' : जयपुर

चर्चा में क्यों?

- 15 अप्रैल, 2026 को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' का आयोजन किया गया।



मुख्य बिन्दु:

- सम्मेलन का मुख्य विषय : "पंचायत से पार्लियामेंट तक: निर्णय में नारी, नव भारत की तैयारी"।
- सम्मेलन का उद्देश्य : लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के बारे में समाज को जागरूक करना।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण हेतु राज्य सरकार द्वारा संचालित प्रमुख योजनाएँ:

शैक्षिक विकास:

- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना।

आर्थिक विकास:

- मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना।
- मुख्यमंत्री नारी शक्ति प्रशिक्षण एवं कौशल संवर्धन योजना।
- मुख्यमंत्री वर्क फ्रॉम होम-जॉब वर्क योजना।
- पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान योजना।

सामाजिक कल्याण:

- मुख्यमंत्री कन्यादान योजना।
- विधवा विवाह उपहार योजना।
- एल.पी.जी. सिलेण्डर सब्सिडी योजना।
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना।
- किशोरी बालिका योजना।
- महिला विकास कार्यक्रम।
- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह एवं अनुदान योजना।
- लाडो प्रोत्साहन योजना।
- कालीबाई भील उड़ान योजना।
- 181 महिला हेल्पलाईन।
- 600 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट तथा 65 एंटी रोमियो स्क्वॉड का गठन।
- महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं सुधार) से संरक्षण अधिनियम, 2013
- त्रि-स्तरीय महिला समाधान समिति।
- कालीबाई भील महिला एवं बाल विकास शोध संस्थान।
- महिला सशक्तीकरण हेतु राज्य हब "मिशन शक्ति"।

सामाजिक सुरक्षा:

- इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना।
- मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना।
- सम्भाग स्तरीय 'नारी निकेतन' / राज्य स्तरीय 'महिला सदन'।

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>मनुश्री सक्सेना</p> <ul style="list-style-type: none">जयपुर की 8 वर्षीय कराटे खिलाड़ी मनुश्री सक्सेना ने ब्लैक बेल्ट (सेकंड डिग्री) हासिल 'एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड' में अपना नाम दर्ज करवाया।
2.	<p>IAS शंकरलाल कुमावत</p> <ul style="list-style-type: none">हाल ही में, केंद्र सरकार द्वारा सीकर निवासी IAS शंकरलाल कुमावत को वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में संयुक्त सचिव पद पर नियुक्त किया गया।शंकर लाल कुमावत वर्ष 2010 बैच के तमिलनाडु कैडर के IAS अधिकारी है।
3.	<p>ADB की 'एनवायरमेंटल एण्ड सोशल फ्रेमवर्क ओरिएंटेशन कार्यशाला' : जयपुर</p> <ul style="list-style-type: none">हाल ही में, एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB) द्वारा पर्यावरण एवं सामाजिक मानकों की आधारभूत समझ प्रदान करने के उद्देश्य से एनवायरमेंटल एण्ड सोशल फ्रेमवर्क (ESF) पर दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया।आयोजन स्थल : जयपुर।
4.	<p>जोधपुर का 'म्हारो खेत' TIME मैगजीन में शामिल</p> <ul style="list-style-type: none">जोधपुर के पास स्थित 'म्हारो खेत' को TIME मैगजीन ने वर्ष 2026 की 'विश्व के महान स्थानों' (World's Greatest Places) की सूची में शामिल किया है।40 एकड़ में फैला यह बुटीक फार्म स्टे अपनी स्थिरता, फार्म-टू-टेबल भोजन और 10 लक्ज़री कॉटेज के साथ प्रकृति-केंद्रित अनुभव प्रदान करता है।
5.	<p>वित्तीय सेवाएँ विभाग द्वारा उदयपुर में राजभाषा सेमिनार का आयोजन</p> <ul style="list-style-type: none">वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएँ विभाग (DFS) द्वारा उदयपुर में 09-10 अप्रैल, 2026 को राजभाषा सेमिनार का आयोजन किया गया।सेमिनार का मुख्य विषय : 'देश के विकास में भारतीय भाषाओं का योगदान'।



राष्ट्रीय परिदृश्य



भारत में फसलों के त्योहार



चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने पूरे भारत में फसलों के कई त्योहारों और नव वर्ष समारोहों पर शुभकामनाएं दी हैं।



मुख्य बिन्दु:

विभिन्न फसल त्योहार और नव वर्ष:

- बैसाखी - पंजाब और हरियाणा
- बोहाग बिहू - असमिया नव वर्ष
- मेषादि पुथांडु - तमिल नव वर्ष
- विशु - केरल नव वर्ष
- पाना संक्रांति - ओडिया नव वर्ष
- चेइराओबा - मणिपुर में चंद्र नव वर्ष
- पोइला बैशाख - बंगाली नव वर्ष

भारतीय शासन एवं राजव्यवस्था

लोकसभा की संरचना: संविधान संशोधन विधेयक का प्रस्ताव

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 और परिसीमन विधेयक, 2026 प्रस्तावित किए हैं।

मुख्य बिन्दु:

131वें संविधान संशोधन विधेयक की मुख्य विशेषताएँ

- **लोकसभा की सदस्य संख्या में वृद्धि:** मौजूदा 543 सदस्यों से बढ़ाकर 850 सदस्य करने का प्रस्ताव किया गया है। इनमें 815 सदस्य राज्यों से और 35 सदस्य संघ राज्य क्षेत्रों से होंगे।
- **संविधान के अनुच्छेद 82 में संशोधन:** यह विधेयक अनुच्छेद 82 के तीसरे प्रावधान को हटाने का प्रस्ताव करता है। यह प्रावधान अनिवार्य करता है कि अगला परिसीमन कार्य वर्ष 2026 के बाद आयोजित पहली जनगणना के आधार पर किया जाएगा।
- उपर्युक्त प्रावधान को हटाने से 2026-27 की जनगणना से पहले उपलब्ध जनगणना के आँकड़ों का उपयोग करके परिसीमन करने में मदद मिलेगी।
- **अनुच्छेद 334A में संशोधन:** यह संशोधन परिसीमन के तुरंत बाद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण सुनिश्चित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम का कार्यान्वयन सुनिश्चित करेगा।

परिसीमन विधेयक 2026 की मुख्य विशेषताएँ

- यह विधेयक कानून बनने के बाद परिसीमन अधिनियम, 2002 को निरस्त करेगा और उसका स्थान लेगा।

Daily Current Affairs

Date : 16 April, 2026



- **परिसीमन आयोग (DC):** केंद्र सरकार परिसीमन आयोग का गठन करेगी। इस आयोग की अध्यक्षता उच्चतम न्यायालय के वर्तमान या पूर्व न्यायाधीश करेंगे।
- **कार्य:** परिसीमन आयोग लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में सीटों के आवंटन को पुनर्समायोजित करेगा और नवीनतम जनगणना के आंकड़ों के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण करेगा।
- **परिसीमन आयोग का आदेश:** परिसीमन आयोग के आदेश, जब भारत के राजपत्र में प्रकाशित हो जाएंगे, तो वे कानून की तरह मान्य होंगे और उन्हें किसी भी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकेगी।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

-:16:-

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

खनिज बिदेश इंडिया लिमिटेड (KABIL)

चर्चा में क्यों?

- KABIL ने अर्जेंटीना में 5 लिथियम ब्लॉकों के डीप एक्सप्लोरेशन के लिए पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त कर ली है।



KABIL
खनिज बिदेश इंडिया लिमिटेड
KHANIJ BIDESH INDIA LTD.

मुख्य बिन्दु:

- लिथियम एक नरम और चांदी जैसी सफेद क्षारीय धातु है और इसका घनत्व सभी धातुओं में सबसे कम है।
- अर्जेंटीना, बोलीविया और चिली (लिथियम त्रिकोण) विश्व में 75 प्रतिशत से अधिक लिथियम आपूर्ति करते हैं।

KABIL के बारे में:

- **परिचय:** इसकी स्थापना 2019 में हुई थी। यह नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (NALCO), हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (HCL) और मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है।
- यह कंपनी केंद्रीय खान मंत्रालय के तत्वावधान में कार्य करती है।
- **उद्देश्य:** यह कंपनी भारत में लिथियम सहित रणनीतिक खनिजों की आपूर्ति के लिए विदेशों में इनके निक्षेप की पहचान, अधिग्रहण, विकास, प्रसंस्करण और व्यावसायिक उपयोग करती है।

-:17:-

ब्रिक्स और क्वाड समूह

चर्चा में क्यों?

- भारत ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक और क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक सहित कई महत्वपूर्ण राजनयिक बैठकों की मेजबानी करने जा रहा है।

मुख्य बिन्दु:

ब्रिक्स

- **इतिहास** : ब्रिक्स को औपचारिक रूप से 2006 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान विदेश मंत्रियों की बैठक में लॉन्च किया गया था, और इसका पहला शिखर सम्मेलन 2009 में रूस में आयोजित किया गया था।
- 2010 में, दक्षिण अफ्रीका को इसमें शामिल किया गया, जिससे समूह का विस्तार ब्रिक्स के रूप में हुआ और इसने 2011 में इसके पहले शिखर सम्मेलन में भाग लिया।
- यह विश्व के ग्यारह प्रमुख उभरते बाजारों और विकासशील देशों को एक साथ लाता है।
- **सदस्य देश** : ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात।
- 2025 में, बेलारूस, बोलीविया, कजाकिस्तान, क्यूबा, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम सहित कई देश ब्रिक्स सहयोगी देशों के रूप में शामिल हुए।
- **उद्देश्य** : यह वैश्विक और क्षेत्रीय महत्त्व के समकालीन मुद्दों और वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक शासन के मुद्दों पर परामर्श और सहयोग के लिए एक उपयोगी मंच के रूप में कार्य करता है।

सहयोग के स्तंभ:



Political and Security



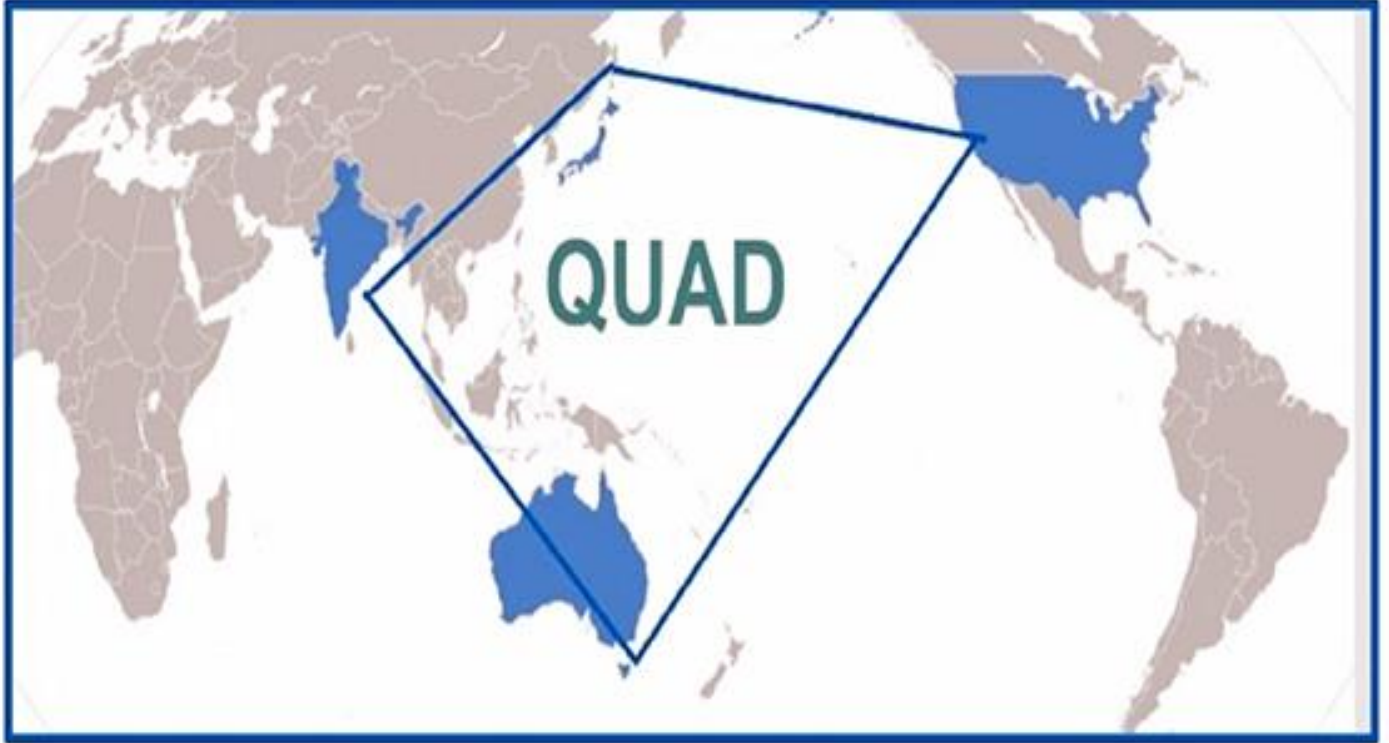
Economy and Finance



Cultural and People to People Exchanges

चतुर्भुजीय सुरक्षा संवाद (क्वाड)

- यह भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का एक अनौपचारिक रणनीतिक समूह है जिसका उद्देश्य एक स्वतंत्र, खुले और समृद्ध इंडो-पैसिफिक का समर्थन करना है।



- **उत्पत्ति :** इसकी शुरुआत 2004 की सुनामी के बाद आपदा राहत समन्वय प्रयास के रूप में हुई थी और बाद में 2007 में जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे द्वारा इसे औपचारिक रूप दिया गया था।
- हालांकि, सीमित एकजुटता और चीन विरोधी होने की चिंताओं के कारण इसने अपनी गति खो दी।
- समुद्री सुरक्षा से परे व्यापक लक्ष्यों के साथ इस समूह को 2017 में पुनर्जीवित किया गया था।
- **सचिवालय:** क्वाड का कोई सचिवालय या औपचारिक निर्णय लेने की संरचना नहीं है और इसमें पारस्परिक रक्षा प्रतिबद्धताएं शामिल नहीं हैं।

क्वाड से जुड़े विभिन्न घटनाक्रम

- मालाबार नौसैनिक अभ्यास।
- 2021 में, क्वाड के नेताओं ने एक वर्चुअल शिखर सम्मेलन आयोजित किया और "द स्पिरिट ऑफ द क्वाड" जारी किया, जिसमें साझा सिद्धांतों और उद्देश्यों की रूपरेखा दी गई।
- **क्वाड कैंसर मूनशॉट:** कैंसर मूनशॉट इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में कैंसर से होने वाली मौतों, विशेष रूप से सर्वाइकल कैंसर से होने वाली मौतों को कम करने का एक संयुक्त प्रयास है, जिसमें सार्वजनिक और निजी संसाधनों को जुटाया जाता है।
- इसके तहत, भारत साझेदार देशों को 75 लाख डॉलर मूल्य के एचपीवी टीके, स्क्रीनिंग किट और निदान उपकरण की आपूर्ति करेगा।
- **QUAD महत्त्वपूर्ण खनिज पहल:** महत्त्वपूर्ण खनिज पहल का उद्देश्य आवश्यक खनिजों के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत और विविधतापूर्ण बनाना है।

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी 🌡️

क्वांटम कंप्यूटिंग

📢 चर्चा में क्यों?

- विश्व क्वांटम दिवस के अवसर पर आंध्र प्रदेश के अमरावती स्थित SRM विश्वविद्यालय में भारत की पहली क्वांटम कंप्यूटिंग परीक्षण सुविधा शुरू की गई।



📌 मुख्य बिन्दु:

- 14 अप्रैल को विश्व क्वांटम दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह तिथि (4/14) प्लांक स्थिरांक ($4.14 \times 10^{-15} \text{ eV}\cdot\text{s}$) के पहले तीन अंकों को संदर्भित करती है, जो क्वांटम भौतिकी को नियंत्रित करने वाला एक मौलिक स्थिरांक है।

क्वांटम कंप्यूटिंग:

- क्वांटम कंप्यूटिंग कंप्यूटर विज्ञान का एक उभरता हुआ क्षेत्र है। यह क्लासिकल कंप्यूटरों की पहुंच से बाहर की समस्याओं को हल करने के लिए क्वांटम मैकेनिक्स के गुणों का उपयोग करता है।
- क्वांटम कंप्यूटर क्वांटम बिट्स या क्यूबिट्स (0 या 1 का रैखिक संयोजन) का उपयोग करते हैं। यह आज के डिजिटल कंप्यूटरों में उपयोग होने वाले बिट्स (0 या 1 का अनुक्रम) के समान होते हैं।

--:21:--

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

UNDP की रिपोर्ट: भारत पर पश्चिम एशिया संघर्ष के आर्थिक प्रभाव

चर्चा में क्यों?

- 'मध्य पूर्व में सैन्य तनाव में वृद्धि: एशिया और प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास पर प्रभाव' शीर्षक वाली UNDP की रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशिया संघर्ष की वजह से दक्षिण एशिया को सर्वाधिक सापेक्ष आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।



मुख्य बिन्दु:

भारत पर संघर्ष का प्रभाव

- **मानव विकास पर प्रभाव:** यह संकट लगभग 2.5 मिलियन भारतीयों को निर्धनता में धकेल सकता है।
- **ऊर्जा और वित्त प्रभाव:** गैस की बढ़ती कीमतों के कारण भारतीय रुपया कमजोर हुआ है और कोयले के उपयोग की ओर रुख करना पड़ा है। इससे प्रदूषण और स्वास्थ्य से संबंधित जोखिम बढ़ गए हैं।

Daily Current Affairs

Date : 16 April, 2026



- भारत अपने तेल आयात का 40% से अधिक और सभी LPG आयात का 90% पश्चिम एशिया से प्राप्त करता है।
- **व्यापार और स्वास्थ्य-देखभाल से जुड़े निर्यात पर प्रभाव:** आपूर्ति बाधित होने से पश्चिम एशिया को होने वाले लगभग 48 अरब डॉलर के गैर-तेल निर्यात पर खतरा उत्पन्न हो गया है।
- **कृषि और खाद्य पर प्रभाव:** पश्चिम एशिया से भारत अपने उर्वरक आयात का 45% से अधिक प्राप्त करता है, और भारत में उत्पादित लगभग 85% यूरिया आयातित तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) पर निर्भर है।
- यदि आपूर्ति में लंबे समय तक बाधा आती है, तो आने वाले महत्वपूर्ण खरीफ सीजन पर इसका गंभीर असर पड़ सकता है।
- **श्रम और विप्रेषण पर प्रभाव:** खाड़ी देशों में लगभग 93.7 लाख भारतीय काम करते हैं, जिनकी नौकरियां खतरे में पड़ सकती हैं। ये लोग भारत को प्राप्त होने वाले कुल विप्रेषण में 38-40% का योगदान देते हैं।

--:23:--

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) की रिपोर्ट



चर्चा में क्यों?

- “बदलते श्रम बाजारों में सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा: सभी प्रकार के रोजगारों में श्रमिकों की रक्षा” शीर्षक वाली अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) की रिपोर्ट में सभी प्रकार के कामगारों के लिए मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों की सिफारिश की गई है।



मुख्य बिन्दु:

- ILO के अनुसार, सामाजिक सुरक्षा ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों का समूह है, जो व्यक्ति के पूरे जीवनकाल में निर्धनता और असुरक्षा को रोकने और कम करने के लिए बनाए जाते हैं।
- इसमें शामिल हैं: बाल और परिवार हितलाभ, मातृत्व हितलाभ, बेरोजगारी में सहायता, स्वास्थ्य-देखभाल सुरक्षा, वृद्धावस्था पेंशन, आदि।

सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता क्यों है?

- निर्धनता को रोकना: उदाहरण: सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के तहत सब्सिडी।
- संकट से निपटने में सक्षम बनाना: उदाहरण: प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना।

- आर्थिक स्थिरता।
- लैंगिक असमानताओं को कम करना: उदाहरण: प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना।

ILO के सुझाव

- सार्वभौमिक पहुँच की गारंटी: स्व-नियोजित, अस्थायी और अंशकालिक कामगारों सहित सभी कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का व्यापक लाभ सुनिश्चित करना चाहिए।
 - सार्वभौमिक कवरेज के लिए योजनाओं का संयोजन।
 - राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा के लिए न्यूनतम स्तर सुनिश्चित करना।
 - अन्य सुझाव: महिला अनुकूल व्यवस्थाओं को अपनाने, नीतियों में समन्वय स्थापित करने जैसे उपायों की आवश्यकता है।
- ## सामाजिक सुरक्षा कवरेज के विस्तार के लिए भारत की पहलें
- उपकर-आधारित कल्याण कोष: उद्योगों पर लगाया गया उपकर उन कामगारों की सामाजिक सुरक्षा के लिए उपयोग होता है, जो पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंध के दायरे में नहीं आते।
 - क्षेत्रक-विशिष्ट कल्याण बोर्ड: ये बोर्ड खनन, निर्माण, बीड़ी और फिल्म उद्योग जैसे क्षेत्रकों के कामगारों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ प्रदान करते हैं।
 - त्रिपक्षीय शासन मॉडल: कल्याण बोर्ड कामगारों, नियोक्ताओं और सरकार का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करते हैं, जिससे संस्थागत स्तर पर संवाद और जवाबदेही को बढ़ावा मिलता है।
 - गिग और प्लेटफॉर्म कामगारों की सुरक्षा: प्लेटफॉर्म कामगार कल्याण लेवी की शुरुआत की गई है और राजस्थान प्लेटफॉर्म आधारित गिग वर्कर्स (पंजीकरण और कल्याण) अधिनियम, 2023 जैसे कानून बनाए गए हैं।